जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
मुज़फ़्फ़रनगर (उ0प्र0)

<u>डायट मुजफ्फरनगर का संक्षिप्त परिचय</u>

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर, सन् 1992 से, एक मुख्य शैक्षिक संस्थान के रूप मे उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रदत्त राजाज्ञा सं0–1736/15–(13)/90–1499(55) दिनांकित 18–09–1990, से कार्यरत है। पूर्व मे इस संस्थान को जूनियर बेसिक प्रशिक्षण विद्यालय के नाम से जाना जाता था। यह संस्थान सम्पूर्ण जिले की बेसिक शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है।

डायट, मुजफ्फरनगर मे कार्यरत सभी संकाय सदस्य/प्रवक्ता, वरिष्ठ प्रवक्ता योग्य, उच्च शिक्षित व प्रशिक्षित है तथा शिक्षण के साथ साथ ब्लॉक मेन्टर्स के रूप मे भी कार्य करते है। ब्लॉक मैन्टर्स के रूप मे भ्रमण करते हुए सभी वरिष्ठ प्रवक्ता व प्रवक्ता बी0आर0सी0,एन0पी0आर0सी0 एवं विद्यालयो का पर्यवेक्षण कर छात्रो से बात करके सामने आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु शिक्षको को निर्देशित करते है।

डायट मुजफ्फरनगर, शहर के केन्द्र मे सरकुलर रोड पर स्थित है तथा रेल एवं सडक यातायात व्यवस्था से पूर्णतया जुडा हुआ है।

उद्देश्य–

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर के निम्न उद्देश्य है :–

- दक्ष एवं सुप्रशिक्षित शिक्षक तैयार करना।
- शिक्षको के अलावा बी0आर0सी0 समन्वयक, एन0पी0आर0सी0 समन्वयक, सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयको को भी प्रशिक्षित करना तथा समय–समय पर बेसिक शिक्षा व्यवस्था मे आने वाली नवीन शैक्षिक विधाओं एवं विचारो से परिचित कराना ।
- वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रो के संचालन हेतु निर्देशको एवं अनुदेशको को प्रशिक्षित करना एवं ग्राम शिक्षा समिति (VEC) के सदस्यों को प्रशिक्षित करना।
- संकुल स्तर पर क्रियात्मक शोधो के माध्यम से आदर्श विद्यालयो की स्थापना हेतु कार्यक्रम संचालित करना।
- ग्राह्य एवं सतत् मूल्यांकन प्रणाली विकसित करना।
- जिला स्तरीय अकादमी संसाधन समूह (ARG) द्वारा समुदाय से सहयोग विकसित करना।
- आवश्यकता आधारित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना ।
- बी0आर0सी0 समन्वयको की मासिक बैठक बुलाना एवं समन्वयको द्वारा अपने–अपने विकास क्षेत्रों मे की जाने वाली शैक्षिक गतिविधियों को निर्देशित करना।
- प्राथमिक शिक्षा की महत्ता का प्रचार–प्रसार करने के लिए महिला उत्थान समूहों एवं समुदाय का सहयोग लेने हेतु सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी, बी0आर0सी0 समन्वयको एवं एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों को पर्याप्त निर्देशन देना ।
- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर निर्मित शिक्षा नीति को लागू करने की संस्था के रूप मे कार्य करना।

कार्य–

जिला षिक्षा और प्रषिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर द्वारा वर्तमान मे किये जा रहे कार्य निम्न है :–

1. प्रशिक्षण (षिक्षकों हेतु सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम)
2. संसाधन समर्थन (विस्तार/निर्देशन, सहायक सामग्री का विकास, मूल्यांकन प्रणाली आदि)
3. क्रियात्मक शोध।

   डायट, मुजफ्फरनगर के संकाय सदस्यों द्वारा निम्न विषयों पर क्रियात्मक शोध किया गया है–

- कक्षा 3 और 4 मे विज्ञान शिक्षण मे प्रयोगो का अभाव
- कक्षा 5 मे सामाजिक अध्ययन शिक्षण मे ग्लोब व नक्शो के प्रयोग का अभाव
- कक्षा 6 मे संस्कृत भाषा शिक्षण मे की जाने वाली मात्रा सम्बन्धी त्रुटियो की प्रवृत्तियो को ढूँढना ।

निम्न विषयों पर क्रियात्मक षोध डायट के संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तावित है–

- प्राथमिक विद्यालयों में टी0एल0एम0 का अधिकतम प्रयोग
- सामाजिक विषय प्रषिक्षणों का उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रयोग
- विद्यालयों में सक्रिय पुस्तकालयों का अभाव
- प्रार्थना स्थल पर अनुषासन का अभाव
- विज्ञान षिक्षण में प्रयोगों की कमी

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर के विभाग

बेसिक शिक्षा के सुद्धढीकरण एवं अधिक गुणवत्ता के लिए अधिकाधिक परिणाम उपलब्धि हेतु डायट, मुजफ्फरनगर को कार्य के आधार पर सात विभागों का विभाजन किया है –

1. जिला संसाधन एकक।
2. सेवापूर्व विभाग।
3. सेवारत प्रषिक्षण तथा अभिनव प्रयोगएवं समन्वय विभाग।
4. कार्यानुभव विभाग।
5. पाठ्यक्रम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन विभाग।
6. षैक्षिक तकनीकी विभाग।
7. नियोजन एवं प्रबन्धन विभाग।

वार्षिक गतिविधियां विभागावार

1— जिला संसाधन इकाई—

- सतत् शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत लोक षिक्षा समिति का गठन व उसके द्वारा संचालित कार्यक्रम।
- मकतब मदरसों के आधुनिकीकरण योजना के अन्तर्गत 15 दिवसीय षिक्षक प्रषिक्षण
- षिषु षिक्षा केन्द्र — स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम।

2— सेवापूर्व विभाग—

- बी0टी0सी0 एवं वि0बी0टी0सी0 छात्र—छात्राओं को प्रषिक्षित किया जाता है।

3— सेवारत विभाग

- स्कूल रेडिनेस प्रषिक्षण।
- एल0ई0पी0 प्रषिक्षण।
- मृतकाश्रित प्रषिक्षण (दो वर्षीय) ।
- विषेष प्रषिक्षण।
- प्रष्न—पत्र निर्माण कार्यषाला।
- एक कदम और प्रषिक्षण (प्राथमिक स्तर)।
- आवश्यकताओं का आंकलन प्रषिक्षण (प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर)।
- अंग्रेजी विज्ञान,गणित आदि विषयक प्रशिक्षण ।
- मैन्टर्स के द्वारा बी0आर0सी0 स्तरीय कार्यक्रमो का पर्यवेक्षण।

4— कार्यानुभव विभाग —

- टी0एल0एम0 निर्माण।
- वृक्षारोपण, बागवानी व सौन्दर्यकरण।
- मुखोटे निर्माण, ग्रिटिंग कार्ड निर्माण, सूक्ति लेखन, रंगोली निर्माण,
- स्काउट व गाइड षिविरों का आयोजन।
- सांस्कृतिक क्लब का निर्माण।
- आहार संरक्षण, सिलाई, कढाई, बुनाई आदि।

5– पाठ्यक्रम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन विभाग–

- कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए प्रश्न पत्र निर्माण एवं प्रष्न बैंक निर्माण।
- मैन्टर्स द्वारा वार्षिक परीक्षा का मूल्यांकन ।
- प्राथमिक व उच्च प्राथमिक शिक्षको का ग्राह्य एवं सतत मूल्यांकन सम्बन्धित प्रषिक्षण।
- डायट मैन्टर्स/बी0आर0सी0/एन0पी0आर0सी0 समन्वयको द्वारा क्रियात्मक शोध कार्यक्रम ।
- पाठ्य पुस्तकों का विष्लेषण एवं पाठ्यक्रम सामग्री निर्माण व उसका उपयोग।
- षिक्षा में नवाचार व छात्रों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति पर बल।
- कक्षा–कक्ष में लर्निंग कॉर्नर बनवाना।
- आदर्ष कक्षा–कक्ष षिक्षण विधि कार्यषाला।

6– शैक्षिक तकनीकी विभाग–

- मीना मंच निर्माण व उससे सम्बन्धित सीढी का प्रदर्षन।
- रेडियो व दूरदर्षन पर प्रसारित षैक्षिक कार्यक्रमों का प्रदर्षन।
- षैक्षिक गुणवत्ता संर्वद्धन हेतु टी0एल0एम0 के रूप में आधुनिक यन्त्रो का प्रयोग।

7– नियोजन एवं प्रबन्धन विभाग–

- वार्षिक कार्य योजना निर्माण व उसका क्रियान्वयन।
- षैक्षिक समस्याओं का चयन व समाधान।
- समस्त विभागों के कार्य सम्पादन में विभागीय निर्देषन।

प्रकाशन सम्बन्धी कार्य–

- डायट का त्रैमासिक समाचार पत्र – उत्कर्ष
- डायट पत्रिका – अनुभूति

पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण–

- समन्वयको की मासिक बैठक (डायट मु0नगर में)।
- शैक्षिक बिन्दुओ पर सामूहिक परिचर्चा ।
- शैक्षिक समर्थन एवं निर्देशन सम्बन्धी किये जाने वाले प्रयासो की समीक्षा ।
- बैठक के दौरान बी0आर0सी0 समन्वयको द्वारा शिक्षक सदर्शिकाओ का प्रस्तुतीकरण व प्रभावशाली शिक्षण विधियां।
- डायट मैन्टर्स के साथ मिलकर गणित व विज्ञान विषयो मे आने वाली समस्याओ का समाधान ।
- एन0पी0आर0सी0 स्तर पर आयी गम्भीर समस्याओं से सम्बन्धित परिचर्चाए।
- बेसिक शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार हेतु रोस्टर कार्यशालायें।

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर के भौतिक संसाधन

1.	प्रशासनिक भवन	–	पुराना भवन ध्वस्त
2.	बालिका छात्रावास	–	50 छात्राओ के रहने योग्य
3.	कार्यानुभव शेड	–	एक
4.	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	–	एक कम्प्यूटर लैब एवं दो कम्प्यूटर उपलब्ध हैं।
5.	निवास सुविधा	–	चपरासी के लिए एक इकाई
6.	पुस्तकालय	–	उपलब्ध है।
7.	स्टाफ जीप	–	अच्छी अवस्था मे उपलब्ध है।
8.	गैराज	–	एक
9.	दूरभाष / फैक्स	–	दूरभाष के साथ फैक्स व इन्टरनैट सुविधा उपलब्ध है।
10.	प्रषिक्षण एवं कक्षा षिक्षण हेतु कक्ष	–	5 एवं एक बडा सभा कक्ष

उपलब्धियाँ –

- पर्यावरण गैलरी– डायट में ।
- जिला षिक्षा और प्रषिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर में सामान्य बी0टी0सी0 हेतु NCTE आदेश सं0 F-NRC/NCTE/F-3 /UP-1022/2005 /1059/ दिनांकित 02.05.2005 एवं राज्य सरकार आदेश सं0–509 / 13–11–2005–1499 (280) / 2001 दिनांकित 19–07–2005 के द्वारा 200 सीटें स्वीकृत है।
- विज्ञान / गणित प्रयोगषालाओं का निर्माण व उनका प्रयोग।

सम्पर्क:-

नाम	फोन न0 / फैक्स न0	पता
प्राचार्य	0131.2620832	जिला षिक्षा और प्रषिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर।

.

जन सूचना अधिकारी'. प्राचार्य
जिला षिक्षा और प्रषिक्षण संस्थान,मुजफ्फरनगर
दूरभाष न0 –01312620832
फैक्स न0 –01312620832

सह जन सूचना अधिकारी :- प्रवक्ता
जिला षिक्षा और प्रषिक्षण संस्थान,मुजफ्फरनगर

अपीलीय अधिकारीः. निदेषक
राज्य षैक्षिक अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद
उत्तर प्रदेष लखनऊ ।

ई0मेल पता : diet.muzaffarnagar@gmail.com

विभागाध्यक्षः निदेषक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद
उत्तर प्रदेष लखनऊ ।

.

विभागाध्यक्ष का ईमेल पता- dscertup@gmail.com

दूरभास सं0. 05222780385
05222780505
फैक्स न0- 05222781125

वेब साईटः www.scertup.org